Bhoomi Poojan of IPDS Works in Old Kashi
& Launch of Kashi IPDS Monitoring App
8.4.16, Varanasi, Uttar Pradesh

हमारे बीच काशी के लोकप्रिय महापौर श्री रामगोपाल मोइले जी, हम सबके वरिष्ट नेता यहाँ के विधायक श्री श्याम देव राय चौधरी जी, माताजी श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास्तव जी विधायिका, श्री रविंदर जैसवाल जी विधायक, श्री नितिन गोकरण जी, डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर श्री प्रदीप बघारे जी, भारतीय जनता पार्टी के काशी नगर अध्यक्ष श्री ऐ.के.सिंह, पूर्वांचल विद्युत निगम के एम.डी., केंद्र से आये मेरे सहयोगी श्री ऐ.के.वर्मा जी जॉइंट सेक्रेटरी विद्युत मंत्रालय, श्री राजीव शर्मा जी, महाप्रबंधक रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन, आज ये जो काम शुरू किया है यहाँ धरातल पर वास्तव में इसको गुडी पडवा के पावन अवसर पर शुरू करने का मुझे जो सौभाग्य मिला, उस कंपनी के चेयरमैन मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आई.एस.झा जी, यहाँ पर उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, श्याम चरण जी जो कंपनी इस काम को पारदर्शिता से करेगी उसका चयन पारदर्शिता से टेंडर द्वारा हुआ जिसमे देश की सभी कंपनियों को आमंत्रित किया गया, उसमे से जिस कंपनी को ये टेंडर मिला के. ई. आई. इंडस्ट्रीज के अधिकारी श्री अनिल गुप्ता जी, उत्तर प्रदेश विद्युत निगम के, एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड के, राज्य में नगर निगम के, उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारीगण, बनारस के सभी सम्माननीय वरिष्ठ महानुभावों, नागरिकों, भाइयों और बहनों, आज का दिन मेरे लिए तो बड़ा ही सौभाग्य का दिन हैं, मैं आज सुबह-सुबह निकल गया था मीटिंगों के लिए, लखनऊ में कुछ कार्यक्रम किये, अब वाराणसी में आया हूँ, मेरे लिए तो वास्तव में नववर्ष गुडी पडवा की पूजा यही कार्यक्रम है | जब मेरे घर पर मेरी पत्नी ने लगभग 2-2.30 बजे पूजा पूरी की तो मुझसे फ़ोन पे बात की, तब उससे मैं कह रहा था मैं आज पूजा में भाग ही नहीं ले पाया तो उन्होंने कहा अच्छी बात है आप सेवा का काम करो पूजा मैंने कर ली घर पे | मुझे लगता है कि बनारस के नागरिकों ने, बनारस के सभी मेरे वरिष्ठ नेताओं ने जो मुझे बनारस की पावन धरती पर, इस शुभ अवसर पे पूजा करने का मौका दिया ये शायद में जिंदगीभर नहीं भूलूंगा |

मोइले जी ठीक कह रहे थे जनता मालिक है और जन भागीदारी से ही काम अच्छी तरीके से हो सकता है, आखिर आप सब ने वर्षों से सरकारी कार्यक्रम देखें हैं, सुने हैं भांपे हैं, आप याद करिए कौन सा ऐसा सरकारी कार्यक्रम है जिसकी स्कीम ही अप्रूव हुए केंद्र में एक वर्ष हुआ हो, जिसकी स्कीम केंद्र से राज्य सरकार में आयी हो, राज्य सरकार से जिले के प्रशासन में, जिला प्रशासन से विद्युत विभाग में, विद्युत विभाग से उसका पारदर्शिता से बड़ी ट्रांसपेरेंसी से उसका टेंडर होना, टेंडर होने के बाद उसका पूरा DPR बनना, उसका मटेरियल प्रोक्योरमेंट होना और फिर काम शुरू होना, मैं समझता हूँ कि ये जो पूरा प्रोसेस इतनी कम अवधि में पूरा हुआ कि भारत में अभी तक ऐसी कोई मिसाल नहीं होगी जो आज वाराणसी से शुरू होने जा रही है, राधिका जी आपने डेढ़ और दो वर्ष की बात कहाँ से कर दी ? हमारी वाराणसी की जनता वर्षों से दुखी है, आज श्याम चरण जी की बात सुन के मैं वास्तव में उनकी पीड़ा को समझ सकता हूँ | आज माताजी ने जो बात कही वो मेरे दिल को छुई है, मैं समझ सकता हूँ कि वर्षों से बनारस जो हम सबके लिए इतना पूजनीय स्थान है, बनारस जिसको कहा जाता है कि पूरे भारत का सबसे से पुराना शहर है, जिस शहर के बारे में हम प्राचीन काल से सुनते आये हैं, जिसकी विशेषताएं और काशी विश्वनाथ के मंदिर की जो आस्था मैं समझता हूँ देश ही नहीं पूरे विश्व में हैं, ऐसी पावन धरती पर जनता ने जिस प्रकार से कठिनाइयां सही हैं उसके बाद मैं

समझता हूँ की इस कार्यक्रम के लिए आपके पास एक-दो वर्ष नहीं हैं, इस कार्यक्रम को हमें एक वर्ष के अन्दर पूरा करना है |

मोइले जी, सभी विधायकगण, अनिल गुप्ता जी यहाँ के कमिश्नर साहब और सबसे अधिक मैं आप सबको यहाँ की जनता को ये ज़िम्मेदारी दे के जा रहा हूँ | ये जो एप अभी हमने लांच किया है, इस एप का उद्देश्य क्या है, क्यूँ बनाया गया है, वो इसलिए की अभी तक सरकारी जो भी योजना बनती थी उसकी जानकारी सरकारी फाइलों में ही रहती थी, क्या काम होने वाला है, कब होने वाला है, कितनी कीमत पे होने वाला है, उसकी कुशलता क्या रहेगी, क्वालिटी क्या रहेगी, उस काम की न तो मोनिटरिंग होती थी ना ही उसकी एकाउंटेबिलिटी होती थी बस सरकारी कागज़ बाज़ी होती थी, सारी डिटेल्स सरकारी कागजों में सिमट के रह जाती थी | सत्ता का और सरकार का जनता के बीच कोई नाता नहीं था, अगर जनता पूछती थी तो मैं समझता हूँ कि अधिकारी डांट डपट के भेज देते थे, और यही दुःख-दर्द प्रधानमंत्री श्री मोदी जी समझते हैं, वो स्वयं जमीन से जुड़े कार्यकर्ता रहे हैं, उनका जीवन का पूरा परिचय हम सभी बनारस वासियों के पास है, कहाँ ट्रेनों में एक चाय बेचने वाला जिसने गरीबी को जमीन से देखी है, जिसने पूरा एहसास किया है कि एक सामान्य व्यक्ति के जीवन में क्या कठिनाइयां आती हैं, वो आज देश के प्रधानमंत्री हैं, आपने बनारस की जनता ने विश्वास के साथ चुन के भेजा है उनको, और उस विश्वास को पूरा करने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं, हम सबने संकल्प लिया है कि हम बनारस के जो-जो विकास के काम हैं उनको तेजी से आगे बढ़ाएंगे, उसको गति देंगे, बनारस का विकास ये हम सबकी जिम्मेदारी है | हम सब जो इस कार्यक्रम में उत्साह से मौजूद हुए हैं, ये सभी कर्मचारी जिन्होंने आज इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया है हम सब जब मिल जाएँ तो मैं समझता हूँ बनारस के शहर के 15 लाख नागरिकों की ताकत और बनारस को पूरे रूप में देखें तो जो 30-35 लाख बनारस क्षेत्र के बनारस संसदीय क्षेत्र के नागरिक हैं इनमे ये ताकत है की इन सब कार्य की निगरानी करे, इन सब कार्य को अच्छी तरह से पूरा करें, समय सीमा के हिसाब से पूरा हो, अच्छी क्वालिटी में हो |

मैं समझता हूँ जिस चिंता को श्याम देव जी ने आज उजागर किया वो स्वाभाविक चिंता है, आप 28 वर्ष से विधायक हैं, कई राज्य सरकारों को देखा है, उनके काम को देखा है, केंद्र सरकार जो पैसा भेजती है वो पता नहीं कहाँ राज्य सरकार में घूम फिर कर चला जाता है | केंद्र सरकार ने मिनिस्ट्री ऑफ़ अर्बन डेवलपमेंट के माध्यम से 32 करोड़ रूपए भेजे बनारस की सफाई के लिए वो यहाँ पहुंचा नहीं है, अब हमने तय किया है कि हम 33 करोड़ रूपए से अधिक अपनी अलग-अलग कंपनियों के सोशल सर्विस के नाते सी.एस.आर फण्ड को बनारस में लगा के बनारस के स्वछता अभियान को और सुदृढ़ करेगी और इसको सफल बनाएगी जिससे बनारस में स्वछता भी अच्छे तरीके से हो सके |

चौधरी जी की जो चिंता है, ये चिंता इनके अनुभव से आई है, क्योंकि सालों-साल इन्होने भ्रष्टाचार को यहाँ पे महसूस किया है, सालों-साल इन्होने देखा की केंद्र सरकार राज्य सरकार काम की घोषणा ही करती है, जमीन पे धरातल पे नहीं होता, तो मुझे लगता है कि आज चौधरी जी को जरूर आनंद आया होगा यह देखते हुए कि इतने कम सीमा में, इतने कम समय में काम वास्तव में शुरू हुआ | मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि ये काम क्वालिटी का होगा इस काम के साथ-साथ बाकी जो-जो आपने मुझे सुझाव दिए हैं, इन सब पर अधिकारी गण पूरी चिंता करेंगे और मैं स्वयं भी उस पर चिंता करूंगा | आप सबको जानकर ख़ुशी होगी ये जो मोबाइल एप आप सबके समक्ष रखा है, इसमें रेगुलर

हर हफ्ते क्या-क्या काम हुआ, क्या काम समय पर हुआ और अगर किसी काम में विलंभ हो रहा है तो वो भी जानकारी आपके समक्ष इस एप के माध्यम से आप सबके हाथ में रहेगी, आप अपने मोबाइल फ़ोन में या अपने कंप्यूटर पर देख सकेंगे के काम की धारा क्या है, कैसे चल रहा है, आपके इलाके के काम कब तक होंगे, उसकी समय सीमा क्या है, और अगर उसमे आपको कोई भी कमी महसूस हो तो इसी एप पर आप कंप्लेंट लिख सकते है, आप अपना सुझाव दे सकते हैं, ये सब इस एप में सुविधा है कि आप फीडबैक दे सकते हैं, जिसके ऊपर अधिकारी, राजनेता और मैं स्वयं हम सब चिंता करेंगे | अभी मेयर साहब ने कहा और मैं भी समझता हूँ कि जब जन भागीदारी से काम किया जाएगा तो ये काम इमानदारी से भी हो सकता है, अच्छी क्वालिटी का हो सकता है और समय सीमा के पहले ख़त्म हो सकता है और जो बनारस की जनता उत्सुक है, प्यासी है विकास के लिए उसी उत्सुकता से इस एप के माध्यम से आप लोग निगरानी करते रहिये कि काम अच्छी तरीके से हो अगर इस जिम्मेदारी को हम सब बाँट लेते हैं तो मैं समझता हूँ बनारस का विकास अनिवार्य है |

आज उत्तर प्रदेश में एक करोड़ LED बल्ब वितरित हो गये हैं, अब इन 1 करोड़ बल्ब का लाभ क्या है ? लाभ सीधा आपके बिजली के बिल में है, आपका बिजली का बिल इससे सीधा कम होगा, आप जितनी बिजली की खपत करते है वो कम होगी, आज LED पंखों को भी आपके समक्ष वितरित किया है ये पंखा मार्किट में 1800 रूपए का है, शायद जो आपको 1300 रूपए में मिल सकता है और अगर आपको सुविधा चाहिए की इसका मूल्य एक बार में नही, एक वर्ष में नहीं, दो वर्ष में पैसा देना चाहें तो शायद 1440 रूपए ब्याज सहित मिलेगा | लेकिन इस पंखे से लगभग 40 प्रतिशत 40-45 प्रतिशत बिजली आपकी बिजली की खपत कम हो जाएगी और जब गर्मी में 12-12 घंटे ये पंखा चलेगा, तो जो दो वर्ष में आप पैसा भुगतान करेंगे उस दो वर्ष में ये बिजली की उतनी बचत भी हो जाएगी तो एक प्रकार से आप को यह पंखा ई.एस.एल द्वारा निशुल्क मिलेगा और दो वर्ष के बाद जो बचत होगी सालों-साल वो बचत आपकी होगी | ये पंखा आपकी सालों-साल सेवा भी करेगा और बिजली की बचत भी करेगा | LED Fans का यह प्रोजेक्ट वाराणसी से शुरू होकर अब पूरे उत्तर प्रदेश की सेवा करेगा | मैं चाहूँगा की लाखों की संख्या में इस पंखे को भी उत्तर प्रदेश में बाटा जाये, इसका भी LED बल्ब की तरह सफल प्रयोग किया जाये जिससे हजारों-करोड़ के बिल आप सब जनता के बचेंगे, हजारों-करोड़ रूपए का फायदा सीधा आपके बिजली के बिलों में मिलेगा |

एक लगाव सा हो गया है बनारस के साथ, इस लगाव के दो कारण हैं, पहला कारण तो ये है कि जब प्रधानमंत्री जी ने वाराणसी के ELW मैदान में IPDS को लांच किया था | मेरे पूज्य पिताजी काशी विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की पढाई करके मुंबई गए थे, उन्होंने अपना सामाजिक जीवन, भारत की अर्थव्यवस्था के साथ अपना योगदान दिया था | राजनीति में भी कई वर्षों तक उनका योगदान रहा, पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ, फिर भारतीय जनसंघ के साथ और फिर भारतीय जनता पार्टी के साथ उनका लम्बा कार्यकाल रहा है | लेकिन मूल जो उनकी पढाई लिखाई हुई, जो उनके विचार बने, जो उनकी सक्षमता बढ़ी, वो आप ही की देन थी, काशी विश्वविधालय की देन थी, और इस नाते से मैं अपना ऋण पूरा करने यहाँ पे आया हूँ, जिस प्रकार से काशी ने मेरे पिताजी को संभाला, वर्षों तक उनको पाल-पोस कर   विद्या दे के यहाँ से मुंबई भेजा था तो मैं मुंबई से काशी आया हूँ उस ऋण को चुकाने के लिए और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि न सिर्फ बिजली का क्षेत्र बल्कि कैसे काशी का सम्पूर्ण विकास हो उसके साथ हम सब जुड़ेंगे, चाहे वो स्वच्छता का अभियान

हो, चाहे काशी में हरयाली लाने का काम हो, चाहे काशी के कुण्ड हो, यहाँ के कुण्डों के बारे में मैंने पता लगाया तो मुझे पता चला कि सभी कुण्ड काफी बिगड़ गए हैं, प्रदूषित हो गये हैं तो मेरे मन में कल्पना आई कि उन कुण्डों को क्यों न पुनःस्थापित किया जाए, मेरे मन में कल्पना है कि चौरासी घाट हैं क्यूँ न इन चौरासी घाट को एक-एक कंपनी द्वारा तेज़ी से एक वर्ष के अन्दर दुरस्तीकरण किया जाये | जो मूलभूत सुविधाएं चाहिए होती है जनता को चाहे वो शौच की सुविधा हो, चाहे अच्छी सडकों की सुविधा हो, बिजली के साथ-साथ स्वच्छ पानी की सुविधा जिसका अभी माता जी ने भी कहा क्यूँ न उन सब पर भी गौर किया जाये |

मुझे पता चला कि रमना में जहाँ पर पूरे शहर कचरा डाला जाता है वहां की एक समस्या चल रही है, इस समस्या के निवारण हेतु मैंने दो दिन से NTPC की वहां भेजी है यह देखने के लिए कि उसमें क्या और कैसे सुधार लाया जा सकता है | मैं समझता हूँ अगर आप सब आशीर्वाद दें, सहयोग दें और उत्साह के साथ जुड़ें इन कार्यक्रमों के साथ तो बहुत कुछ काम हो सकता है, सवाल हमारी अपनी सोच का है, यदि हम अपनी सोच में pessimism रखेंगे, ये सोचें कि सभी कुछ बेकार है, कोई काम हो नहीं सकता, हर एक चीज़ में हम भ्रष्टाचार देखें, हर एक चीज़ में गाली-गलोच करें तो हमारा कोई सुधार नहीं कर सकता, हमारे जीवन में कभी सुधार नहीं होगा | हमें अपने आप में विश्वास लाना होगा, हमें अधिकारियों को, विधायकों को, मेयर को, नगर निगम को, राज्य सरकार, केंद्र सरकार सभी को एक टीम के नाते काम करना होगा, टीम इंडिया की तरह |

प्रधानमंत्री जी ने लाल किले से जो आह्वाहन किया था कि अगर देश का एक-एक नागरिक एक कदम आगे बढ़ता है तो देश 125 करोड़ कदम आगे बढ़ता है, मैं समझता हूँ अगर बनारस का एक-एक नागरिक थोडा सा सहयोग दे, थोड़ी सी सहनशक्ति रखें और आत्मविश्वास से काम में जुड़े तो मैं समझता हूँ कि बनारस संसदीय क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के लगभग 35 लाख नागरिक जब हमारा सहयोग करेंगे, हमें आशीर्वाद देंगे तो बनारस हर पल 35 लाख कदम आगे बढेगा | मैं समझता हूँ आगे आने वाले दो-तीन वर्ष में करोड़ों और अरबों कदम जब बनारस आगे बढेगा तभी सम्पूर्ण विकास बनारस का होगा, आपके जीवन में होगा, यहाँ के बुनकरों के जीवन में होगा, यहाँ के मंदिर में काम करने वाले पुजारियों के जीवन में होगा, यहाँ के दुकान चलाने वालों के जीवन में होगा, हर एक वर्ग को छुआ जा सकता है, लेकिन इसमें आपका सहयोग लगेगा, आपका प्यार लगेगा और आपका विश्वास लगेगा |

मैं सभी विधायकों से, मेयर साहब से, जिला अधिकारियों से, शासन के अधिकारियों से अनुरोध करता हूँ कि आप सब इस काम में ध्यान दे, रूचि दिखाएँ, नए-नए आइडियाज दें, नए-नए विचार रखें, ये एप तो सिर्फ एक शुरुआत है की कैसे जानकारी आप तक पहुंचे, अब हम होर्डिंग्स में भी ये सब जानकारियाँ देंगे, क्या-क्या काम हो रहा है, किस इलाके में काम हो रहा है, आप उसको देखते रहिये, उसके हिसाब से निगरानी रखिये कि काम समय पर हो रहा है या नहीं | हमारे केंद्र सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधिकारी जोकि आईएएस ऑफिसर हैं हर मंगलवार को काम का निरक्षण करने ख़ासतौर से बनारस आती हैं, हर मंगलवार को खुद आ के देखती हैं, क्या काम हो रहा है, काम की प्रगति क्या है, आखिर ये कोई जादू से नहीं हुआ जोकि इतनी तेज़ी से यहाँ काम शुरू हो गया, इसमें केंद्र सरकार की पूरी ताक़त लगती है, केंद्र सरकार के अधिकारी दिन और रात चिंता करते हैं बनारस की, आखिर बनारस कोई साधारण शहर नहीं है, प्राचीन शहर है, बड़ा पूजनीय शहर है और आखिर ये

देश के प्रधानमंत्री का शहर है, आप लोगों ने देश के प्रधानमंत्री को वहां बिठाया है और आपकी सेवा करना हम सबकी ज़िम्मेदारी है |

अब LED बल्ब के भी दाम कम कर दिए गए हैं, अब इसका दाम लगभग 80 रूपये हो गया, उससे ज्यादा तो आपके पहले वर्ष में शायद चार-पांच महीने में ही एक बल्ब की कीमत जितनी बचत हो जाती है | मुझे लगता है की हमको कोशिश करनी चाहिए की एक वर्ष में सारे बल्बों को LED बल्बों से बदल दिया जाये | एक बल्ब भी नहीं छूटना चाहिए बनारस में, EESL के अधिकारी भी यहाँ पर एक स्पेशल ऑफिस खोलेंगे और हर घर तक LED बल्ब कैसे पहुंचे ये सुनिश्चित करेंगे, एक वर्ष के बाद बनारस की कोई भी दुकान, कारखाना, कोई भी घाट और कोई भी भी घर बिना LED बल्ब के नही रहना चाहिए | EESL इस पर तेज़ी से प्रयास करे और तेज़ी से इनको घरों तक तक पहुंचाए |

एक और कल्पना मेरे मन में है, इस कल्पना को में आप के पास छोड़ कर जा रहा हूँ, आप लोग इस पर विचार करिए, शासन और सभी राजनीतिक नेता जनता के साथ चर्चा करके सोचें कि जो पुरानी काशी का इलाका है जहाँ ये सब तारों का जाम है उसमे अंडर ग्राउंड वायरिंग से सुधार करेंगे, जिससे से सुन्दरता भी बढ़ेगी, उसमें हम दो और विषय जोड़ना चाहते हैं, एक तो ये की हम यहाँ हरियाली लायें, इस पूरे इलाके में जब मैं घूमता हूँ तो मुझे हरियाली नहीं दिखती है, पेड़-पौधे नहीं दिखते, आखिर बनारस तो ऐसा पूजनीय शहर है जहाँ हर दुकान पे और हर घर पे कम से कम तुलसी का तो एक पेड़ लग सकता है और कुछ हो न हो, क्यूँ ना हम कोशिश करें कि हर घर में एक तुलसी के पेड़ को हम लगायें, एक प्रतिस्पर्धा करें कौन सबसे अच्छा तुलसी के पेड़ को सजाता है, अपने आँगन में रखता है, उसकी देखभाल करता है, ऐसी एक प्रतियोगता चलायी जाए बनारस में | बनारस में हरियाली कैसे बढे उसके ऊपर हमें थोड़ी चिंता करनी है |

दूसरी बात है स्वच्छता ! मुझे बड़ा दुःख होता है इतना सुन्दर शहर, इतना प्राचीन शहर, मैं समझता हूँ जितनी आस्था बनारस के लिए उतनी और किसी शहर के लिए नहीं है, उसकी सुन्दरता, उसकी स्वच्छता क्या हम सब की ज़िम्मेदारी नहीं हो सकती है? क्या हम सबको उसकी चिंता नहीं करनी चाहिए? अभी हम सब खड़े हैं यहाँ पर वो कागज़ नीचे गिरा हुआ है, अगर हममें से एक कोई उसको उठाले तो ये पूरा प्रांगण और भी सुन्दर दिखेगा | हम पानी पीते हैं और प्लास्टिक की बोतल कहीं भी फ़ेंक देते हैं, कुछ लोग चिप्स खाते हैं जो रह जाता है उसको कहीं भी फेंक देते हैं, बनारस में तो पान तम्बाकू का भी बड़ा चलन है, कम हो गया है? चलो अच्छा है कुछ तो कैंसर की बीमारी भी कम हो जाएगी | लेकिन क्या हमको वो पान-तम्बाकू खाके पीकदान में थूकना चाहिए या कहीं भी सड़क पे थूकना चाहिए? ये तो आप लोगों को ही तय करना है, मुझे ज्यादा ख़ुशी होगी अगर तम्बाकू और पान खाने वाले वैसे पान वालों से मेरा कोई बैर नहीं है, लेकिन आप घर पर खाईये, सड़क पर खाते हुए, नीचे थूकना तो एक तरीके से बाकी सब के साथ अन्याय है | लेकिन फिर इसकी व्यवस्था करना हमारी ज़िम्मेदारी है, हमको dustbins लगाने पड़ेंगे, अलग-अलग जगह पर पीकदान रखने पड़ेंगे | मुझे लगता है एक बार राजू श्रीवास्तव को यहाँ बनारस में भेजना चाहिए, उसको आप सब जगह घुमाईये वो बड़ा अच्छा बताता है इन सबके बारे में |

हरियाली और स्वच्छता ये दोनों हम अकेले नहीं कर सकते हमें आपका आशीर्वाद चाहिए, अगर आप हमारे साथ जुड़ जाते हैं इस कार्यक्रम में तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ पूरा चित्र, पूरा दृष्य बनारस

का बदल सकता है, सुन्दर हो सकता है और ज्यादा पर्यटक आएंगे, पूरा साईनाथ का जो बुद्धिस्ट सर्किट है यहाँ पे जापान, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया सब जगह से लोग आना चाहते हैं | बनारस की चर्चा अब पूरे विश्व में होने लगी है, अगर हम इसको सुन्दर बनाते हैं, इसकी हरियाली सुधारते हैं, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ आपका व्यापार सुधरेगा, आप सबके जीवन में और अधिक खुशियाँ आयेगी जिससे हम बनारस को एक मॉडल सिटी की तरह रख सकते हैं और देश को सन्देश दे सकते हैं कि कैसे एक प्राचीन शहर का पुनर्निमाण हो सकता है | आज गुडी पडवा के इस शुभ अवसर पर मैं समझता हूँ जिस प्रकार से इस काम को तेज़ी से शुरू किया गया है उसमे अगर आज हम सब प्रतिज्ञा लें कि हम बनारस के सम्पूर्ण विकास में अपना योगदान देंगे तो अगले गुडी पडवा पे जब मैं यहाँ आऊँगा तो एक अलग ही दृष्य देखने को मिलेगा इस विश्वास के साथ मैं यहाँ से जा रहा हूँ |

बहुत-बहुत धन्यवाद पुनः आपको और आपके परिवारों को |